आधुनिकतम 151 कमरों वाला

जम्मू यात्री भवन, हरिद्वार

जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट - जम्मू/हरिद्वार

मुख्य कार्यालय जम्मू :
E.P. 648 & 648, डाकबंगला के सामने
वाली गली, जम्मू
हैल्पलाईन : 7051122990
e-mail : jammuyatribhawanho@gmail.com

हरिद्वार कार्यालय :
भूपतवाला, ऋषिकेश रोड,
हरिद्वार- 249410
हैल्पलाईन : 09897128391
e-mail : jammuyatribhawan@gmail.com

इस विषय में विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें

गुरदास शर्मा	राजकुमार	श्याम सिंह	बलबीर सिंह	रोहित शर्मा
(महामंत्री/कोषाध्यक्ष)	(चीफ जनरल मैनेजर, जम्मू)	(चीफ जनरल मैनेजर, हरिद्वार)	(चीफ ऑफिसर, जम्मू)	(पी.आर.ओ, हरिद्वार)
9419193643	9906397638	9557222330	9419662100	8272075251

यह फार्म हमारी वेबसाईट पर भी उपलब्ध है- www.jammuyatribhawan.in

संसार भर की संस्कृतियों-सभ्यताओं में से किसी भी संस्कृति में 13 महीनों का वर्ष नहीं पाया जाता है किन्तु भारत वर्ष ही एक ऐसा देश है जिसकी वैदिक सनातनी जीवन्त संस्कृति के अनुसार चैत्रादि 12 महीनों में वरुण, सूर्य, भानु, तपन, चण्ड, रवि, गभस्ति, अर्पमा, हिरण्यरेता, दिवाकर मित्र और विष्णु- ये 12 सूर्य वेदाङ्ग ज्योतिशास्त्रादि में बतलाये गए हैं और अधिमास/अधिकमास/मलमास/मलिम्लुचमास एवं पुरुषोत्तम मास के नाम से यह 13वें महीने वाला मास लोकव्यवहार में पुरुषोत्तम मास नाम से प्रसिद्ध है। जिस महीने में सूर्य संक्रान्ति न हो, वह महीना मलमास/अधिमास होता है और जिसमें दो संक्रान्ति हो, वह क्षयमास होता है। इसको 'मलिम्लुच' भी कहते हैं। अधिमास 32 महीने 16 और 4 घड़ी के अन्तर से आया करता है और क्षयमाय 141 वर्षों के बाद आता है और उसके बाद 19 वर्ष पीछे (बाद में) आता है, जो कत्तक आदि तीन महीनों में होता है। मलमास की दृष्टि से इसकी जितनी निंदा है, पुरुषोत्तम मास की दृष्टि से उतनी ही अधिक महिमा भी शास्त्रों में गायी गई है।

''येनाहमर्चितो भक्त्या मासेऽस्मिन् पुरुषोत्तम।
धनपुत्रसुखं भुक्त्वा पश्चाद् गोलोकवासभाक्॥''

अर्थात् पुरुषोत्तम महीने में नियम से रहकर भगवान् की विधिपूर्वक आराधना-पूजन करने से भगवान् अत्यन्त प्रसन्न होते हैं और भक्ति पूर्वक भगवान् की पूजा करने वाला इस संसार में सब प्रकार के सुख भोग कर मृत्यु के बाद भगवान् के दिव्य गोलोक में वास करता है।

अतएव इस महीने में गंगा स्नान, गो-सेवा, समाज-सेवा, दान, जप-तप जो भी किया जाए उसका अक्षय फल प्राप्त होता है। ऋग्वेद एवं अथर्ववेद का उपदेश है- "शतहस्त समाहर सहस्रहस्त सं किर।।"

अर्थात् सैंकड़ों हाथों से धन कमाओ और हज़ार हाथों से उसे दान करो।

पुरुषोत्तम मास की इस पावन वेला पर आप धर्म प्रेमी भक्तजनों को विनम्रभाव से सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि 'जम्मू यात्री भवन-ट्रस्ट' हरिद्वार में धार्मिक कार्यक्रमों का विशेष आयोजन करने जा रहा है; जोकि 17 मई रविवार से 15 जून 2026 सोमवार, ज्येष्ठ अधिक मास/मलमास एवं पुरुषोत्तम मास तक चलता रहेगा।

प्राचीन काल में नहुष राजा ने देवराज इन्द्र का पद प्राप्त करने के लिए मद-मस्ती में आकर अपनी पालकी को उठाने के लिए सप्तार्षियों में से महर्षि-महामुनि अगस्त्य जी को नियुक्त करके उन्हें शीघ्रातिशीघ्र चलने के लिए 'सर्प-सर्प' अर्थात् जल्दी-जल्दी चलो कह दिया था। महर्षि अगस्त्य जी के वचनानुसार 'सर्पो भव' के परिणाम स्वरूप राजा नहुषा अपनी धृष्टता के कारण 'सर्प' साँप बन गया। अंत में महर्षि व्यास जी के आदेशानुसार मलमास/अधिमास/पुरुषोतमास का नियमपूर्वक व्रतादि करने से वह सर्पयोनि से मुक्त हुआ।

इस अवधि में होने वाले विशेष कार्यक्रम:-

1. प्रात: 9.30 बजे श्री गंगा घाट पर विद्वान् पंडितों / भक्तगण यजमानों द्वारा दूध, दही, घी, शहद, शक्कर से निर्मित 'पंचामृत' द्वारा 'श्री गंगा सहस्रनामार्चन' 1000 तर्पण एवं पाठ सहित यज्ञ-हवनादि किया जाएगा।
2. ठीक 11 बजे से पंचमन्दिर हरिद्वार में विद्वान् पंडितों द्वारा विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ एवं द्वादशाक्षर मन्त्र 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' का जप-पाठ किया जाएगा।

जो भी भक्तजन अपने परिवार के कल्याण के लिए तथा अपनी व्यापारिक उन्नति के लिए एवं अपने पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु यह 'श्री गंगा सहस्रनामार्चन तर्पण' पाठ, विष्णुसहस्त्रनाम पाठ एवं 'द्वादशाक्षर मन्त्र' जप करवाना चाहते हों तो उसके लिए:-

1 (एक) पाठ के लिए मात्र 2100/- रूपये है।
5 (पाँच) पाठ के लिए मात्र 10,000/- रूपये है।
11 (ग्यारह) पाठ के लिए मात्र 21,000/- रूपये है।
30 (तीस) पाठ के लिए मात्र 51,000/- रूपये है।

हर यजमान के लिए विद्वान् पंडितों द्वारा प्रतिदिन श्री गंगा घाट पर 'सहस्रनामार्चन', पंचमन्दिर हरिद्वार में विष्णुसहस्त्रनाम पाठ एवं '5100 द्वादशाक्षर मन्त्र' का जप-पाठ यजमान परिवार कल्याणार्थ के लिए किया जाएगा। इस कार्यक्रम को करते हुए पंडित जी द्वारा प्रति जप-माला की संख्या का ध्यान रखने के लिए एक मेवा प्रसाद स्वरूप प्रति माला भगवन्निमित्त रखा जाएगा, जो कार्यक्रमों की समाप्ति के उपरांत उपस्थित सभी सम्बन्धित भक्तजनों में तथा सभी आर्थिक सहयोगी भक्तजनों के घरों प्रसाद स्वरूप भेजा जाएगा।

पुरुषोत्तममास की इस अवधि में संक्रान्तिकालीन सोमवती अमावस के दिनों में स्वयं अपने द्वारा जप-तप, पूजा-पाठ, हवन-यज्ञ श्री गंगा तट पर करते हुए परमार्थ लाभ प्राप्त करने हेतु आप अवश्य जम्मू यात्री भवन हरिद्वार में आए और इस महापुण्य के भागीदार बनें।

यदि किसी कारण वश आप हरिद्वार आने में असमर्थ हो तो आप ऑनलाईन भी इस जप-तप व पूजा-पाठ का पुण्य-लाभ ले सकते हैं। इस अवधि के उपरांत आपके द्वारा दिए गए आवासीय पते पर प्रसाद भी भेजा जाएगा।

आप सपरिवार सादर-आमन्त्रित हैं। कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अपने पधारने की अग्रिम सूचना अवश्य दें; ताकि प्रबन्धक जम्मू यात्री भवन हरिद्वार में ठहरने तथा आपके लिए अन्य सुविधाओं की उचित व्यवस्था कर सकें।

ट्रस्टीगण सहित - प्रधान ट्रस्टी
पवन कुमार शास्त्री (99060-85058)

संकल्प पत्र

श्रीमान् जनरल सैक्रेटरी महोदय,
जम्मू यात्री भवन न्यास,
जम्मू/हरिद्वार

महोदय,

हमें यह जानकर अति हर्ष हो रहा है कि ''जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट'' मलमास/पुरुषोत्तम मास/अधिकमास के इन पवित्र दिनों हरिद्वार में 17 मई, 2026 रविवार से 15 जून, 2026 सोमवार तक अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त ''महामन्त्र'' का भी विशेष आयोजन करने जा रहा है। पुरुषोत्तम मास के इस पावन महीने में मैं भी अपने परिवार की सुख-समृद्धि, एवं बुजुर्गों के आशीर्वाद हेतु इस महान कार्य में अपना योगदान करना चाहता/चाहती हूँ। जिसके लिए मैं ..... कुल संत ..... रुपये का सहयोग कर रहा/रही हूँ।

आपका .....

सुपत्र/सुपुत्री/पत्नी .....

.....

गोत्र .....

पता .....

.....

मोबाईल .....

तिथि .....

केवल कार्यालय हेतु :

रू० ..... संत संख्या ..... रसीद संख्या .....

दिनांक ..... सम्पर्क कर्ता .....